

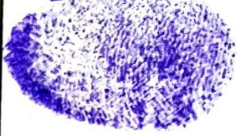
5-122

पनामकी शर्त। ककीलवादी उपनाम प्रतिकारी गण  
 के समान बादनामकील गण ही गये हैं, प्रतिकारी  
 का। १५ वाक्य सुचना अनुपलब्ध है  
 इनके विन्दु स्वररत्न कारिका की  
 जारी है। प्रतिकारी का २, ३ व फलक  
 व्यापार्य के उपलब्ध हुये तथा वादी  
 का वाद स्वीकार किया जाने के समन्वित्यक  
 की। ककीलवादी शाप बहन की गई, तथा  
 पनामकी के उपलब्ध दलावेज के  
 आधार पर दावा स्वीकार करने की  
 शर्तना की गई।

श्री शाप पनामकी का महत्त्व से  
 ककीलवादी विचारणा पनामकी के उपलब्ध  
 दलावेजान शाप स्व रेखाई, गण जमावदी,  
 ककीलवादी विषयविलोक पण, इत्यादि का  
 ककीलवादी को पण्डित रेखाई के आधार  
 प वादी का वाद स्वीकार किया जाना  
 इच्छित प्रतीत होते हैं, वाद स्वीकार किया

मेघराज

डि. प्र. ज्ञानकीर्ति



डि. प्र. ज्ञानकीर्ति

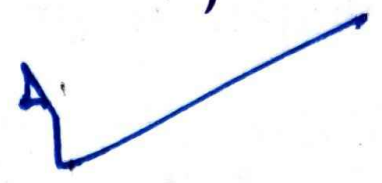


साक्ष्य रूप

दुपन या कानूनान्त

हुकम की लागू

~~जाते हैं। विद्वान्निर्मित पृथक से लिखा जा~~  
~~जाए। आधिकारिक पत्रावली लिखा जा~~  
~~पत्रावली के तहत शुरू की जाते हैं।~~  
~~नकली दस्तावेज दफ्तार में~~



जिला कोटा

प्रकरण संख्या : 154 / 2021

तारीख दायरा- 26.11.2021

उनवान

मुफीद अहमद पुत्र श्री सुल्तान अहमद जाति खेलदार निवासी ग्राम सांगोद तहसील सांगोद जिला कोटा। - वादी

बनाम

1. परमानन्द पुत्र श्री छीतरलाल जाति किराड।
2. मेघराज पुत्र श्री छीतरलाल जाति किराड।
3. हंसराज पुत्र श्री छीतरलाल जाति किराड।
4. श्रीमती जानकीबाई बेवा श्री छीतरलाल जाति किराड निवासी लक्ष्मीपुरा तहसील सांगोद।
5. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार सांगोद जिला कोटा राजस्थान। - प्रतिवादीगण

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88, 89, 188 आर.टी.एक्ट

उपस्थित :-

श्री नरेश गौतम (वकील वादी)

दिनांक :- 05/11/2022

श्री सरकार पैरोकार

-: निर्णय :-

संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता वाद पत्र इस आशय का प्रस्तुत किया है कि प्रतिवादी कं. 1 लगायत 3 के पिता व प्रतिवादी कं. 4 के पति स्व. छीतरलाल पुत्र श्री केशरीलाल जाति किराड निवासी ग्राम लक्ष्मीपुरा तहसील सांगोद के खाते एवं कब्जेकाशत की खसरा नंबर 174 रकबा 0.35 हैक्टर आराजी वाके ग्राम लक्ष्मीपुरा तहसील सांगोद जिला कोटा में स्थित रही है जिसकी पुष्टि नकल जमाबन्दी संवत् 2073-76 खतौनी संख्या 73 से होती है। खातेदार श्री छीतरलाल ने अपने जीवनकाल में रजिस्टर्ड विक्रय विलेख क्रमांक 2011000381 दिनांक 23.05.2011 से खसरा नंबर 174 रकबा 0.35 हैक्टर में से 0.16 हैक्टर पश्चिमी

आराजी वादी को विक्रय कर मौके पर कब्जाकाशत सम्मला दिया था। तभी से वादी क्रयशुदा आराजी को मौके पर शान्तिपूर्वक बदस्तूर काशत करता चला आ रहा है। खरीद के बाद वादी ने उक्त रजिस्टर्ड बैनामा की प्रतिलिपि पटवारी हलका को वास्ते इन्तकाल खोलने दे दिया था तथा पटवारी द्वारा मुताबिक बैनामा इन्तकाल दर्ज करने का विश्वास दिलाया था। वादी राजकीय कर्मचारी है जो अपने पदस्थापन स्थल पर निवास करता है। अभी गत सप्ताह वादी पटवारी हलका के पास लगानराज जमा करवाने गया तो पटवारी हलका ने बताया कि वादी के नाम से तो कोई आराजी खाते में दर्ज नहीं है तथा वादग्रस्त आराजी विक्रेता छीतरलाल की मृत्यु हो जाने से इन्तकाल संख्या 679 दिनांक 21.10.2019 से प्रतिवादी कं. 1 लगायत 4 के खाते दर्ज हो चुकी है जिसके कारण अब बैनामों का इन्तकाल दर्ज नहीं किया जा सकता है तथा पटवारी हलका ने माननीय न्यायालय में कार्यवाही करने की राय व्यक्त की। विक्रेता छीतरलाल का पुत्र चन्द्रेश लाऔलाद कुंवारा फौत हो चुका है जिसका नाम जमाबन्दी में दर्ज है। चूंकि वादी को कानूनन वक्त खरीद से ही वादग्रस्त आराजी का खातेदारी अधिकार हांसिल हो चुके हैं किन्तु राजस्व रिकार्ड में वादी का नाम अंकित नहीं होने के कारण वादी को अपनी क्रयशुदा आराजी में विकास कार्य करवाने व अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में काफी परेशानी उठानी पडती है। ऐसी परिस्थितियों में वादी के लिए वादपत्र बाबत घोषणा व इन्द्राज दुरुस्ती प्रस्तुत करना आवश्यक हो गया है। अतः माल ग्राम लक्ष्मीपुरा तहसील सांगोद जिला कोटा में स्थित खसरा नंबर 174 उत्तरी रकबा 0.35 हैक्टर में से 0.16 हैक्टर पश्चिमी आराजी का वादी को तन्हा खातेदार काशतकार घोषित किया जावे तथा उक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद किया जावे।

उक्त प्रकरण प्रस्तुत किया जाने पर दावा दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादीगण की तलबी की गई। प्रतिवादी सं. 2, 3, 4 स्वयं न्यायालय हाजा में उपस्थित हुए तथा वादी का वाद स्वीकार किये जाने में सहमति व्यक्त की। प्रतिवादी सं. 1 व 5 की बावजूद सूचना अनुपस्थित रहने के कारण प्रतिवादी सं. 1 व 5 के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। वकील वादी द्वारा बहस की गई तथा पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात के आधार पर दावा स्वीकार करने की प्रार्थना की गई।

मेरे द्वारा पत्रावली का गहनता से अवलोकन किया गया। पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात, राजस्व रेकार्ड, नकल जमाबन्दी, रजिस्टर्ड विक्रय विलेख पत्र इत्यादि का अवलोकन करने पर उक्त रेकार्ड के आधार पर दावा स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होने से वादी का वाद पत्र स्वीकार किया जाता है एवं आदेश दिये जाते हैं कि—

माल ग्राम लक्ष्मीपुरा तहसील सांगोद जिला कोटा में स्थित खसरा नंबर 174 रकबा 0.35 हैक्टर में से 0.16 हैक्टर पश्चिमी आराजी का वादी को तन्हा खातेदार काशतकार घोषित किया जाता है। उक्त घोषणा के अनुक्रम में राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद किया जावे। विवादित

आराजी पर रहन भार होने की स्थिति में बैंक चार्ज प्रथम होने के कारण रहन भार यथावत रहेगा।  
उक्तानुसार डिक्री मुर्तिब की जावें।

(अंजना सहरावत)  
उपखण्ड अधिकारी सांगोद

निर्णय आज दिनांक 05/01/2022 को खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया ।

(अंजना सहरावत)  
उपखण्ड अधिकारी सांगोद